

जैन दर्शन में मोक्ष प्राप्ति के साधन

जैन दर्शन में मोक्ष-प्राप्ति के लिए निम्नलिखित उपाय बताए गए हैं—

1. **सम्यक दर्शन (सही दृष्टि)** : आत्मा और धर्म के सिद्धांतों को सही तरीके से समझना और उनपर विश्वास करना। सही दृष्टि से जीव को अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान होता है और वह मोक्ष की दिशा में अग्रसर होता है।
2. **सम्यक ज्ञान (सही ज्ञान)** : धर्म और दर्शन के सिद्धांतों का सही ज्ञान प्राप्त करना। सही ज्ञान से जीव को यह समझ में आता है कि कर्म कैसे आत्मा को बाँधते हैं और उनसे कैसे मुक्त हुआ जा सकता है।
3. **सम्यक चरित्र (सही आचरण)** : नैतिक और धार्मिक सिद्धांतों का पालन करना। इसमें अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पालन करना शामिल है। सही आचरण से जीव कर्मों के नए बंधनों से बचता है और पुराने कर्मों का नाश होता है।
4. **तपस्या और ध्यान** : आत्म-शुद्धि के लिए तपस्या और ध्यान का अभ्यास करना। तपस्या से पुराने कर्मों का क्षय होता है और ध्यान से मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त होती है।
5. **वैराग्य (संयम और त्याग)** : सांसारिक वस्तुओं और इच्छाओं से विरक्ति प्राप्त करना। वैराग्य से जीव राग, द्वेष और मोह से मुक्त होता है और आत्मा की शुद्धि की दिशा में अग्रसर होता है।

इन उपायों का पालन करके जीव अपने कर्म-बंधनों से मुक्त हो सकता है और मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है, जो आत्मा की शुद्ध और अनंत अवस्था है।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी
सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग
शिवदेनी राम अयोध्या प्रसाद महाविद्यालय
बारा चकिया, पूर्वी चम्पारण
मो०-9608685335
Email Id- shrawankumarmodi1973@gmail.com